# UP Board Solutions for Class 6 Home Craft Chapter 6 प्राथमिक चिकित्सा

## प्राथमिक चिकित्सा

### अभ्यास

**प्रश्न 1.**
वस्तुनिष्ठ प्रश्न
**(1)** रिक्त स्थान की पूर्ति करिए।
**(क)** इलेक्ट्रॉल का प्रयोग **डिहाइड्रेशन** से बचाव हेतु किया जाता है।
**(ख)** थकावट या बेहोशी आने पर **ग्लूकोज** दिया जाता हैं।
**(ग)** डॉक्टर के आने से पहले **प्राथमिक उपचार** दिया जाता है।

**(2)** सही (✓) या गलत (✗) का चिह्न लगाइए
**(क)** घाव को खरोंचना या खुजलाना नहीं चाहिए। **(✓)**
**(ख)** बिच्छू के पूँछ में वक्राकार डंक होता है। **(✓)**
**(ग)** सड़क पर केले का छिल्का फेंक देना चाहिए। **(✗)**
**(घ)** मधुमक्खी के काटने से शरीर पर चकत्ते पड़ जाते हैं। **(✓)**

**प्रश्न 2.**
अतिलघु उत्तरीय प्रश्न
**(क)** पागल कुत्ते के काटने से कौन सा रोग होता है ?
**उत्तर**
हाइड्रोफोबिया।

**(ख)** डॉक्टर के आने से पहले दिया जाने वाला उपचार क्या कहलाता है ?
**उत्तर**
डॉक्टर के आने से पहले दिया जाने वाला उपचार प्राथमिक उपचार कहलाता है।

**प्रश्न 3.**
लघु उत्तरीय प्रश्न
**(क)** प्राथमिक चिकित्सा पेटी से आप क्या समझते हैं ?
**उत्तर**
प्राथमिक उपचार के दौरान उपयोग में आने वाली वस्तुओं को जिस बॉक्स में रखा जाता है उसे प्राथमिक चिकित्सा पेटी कहा जाता है, जिसका उपयोग कर पीड़ित व्यक्ति को तत्काल आने वाली परेशानियों से बचाया जा सकता है।

https://www.evidyarthi.in/

**(ख)** बिच्छू के डंक मारने पर दो प्राथमिक उपचार लिखिए।

**उत्तर**

काटने वाले स्थान से थोड़ा ऊपर कसकर पट्टी बाँध देनी चाहिए जिससे विष पूरे शरीर में न फैले । कटे स्थान पर बर्फ़ रखने से भी दर्द का अनुभव कम होगा। प्राथमिक उपचार के बाद तुरन्त डाक्टर के पास जाना चाहिए।

**प्रश्न 4.**

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

**(क)** मधुमक्खी के काटने पर क्या लक्षण होते हैं तथा उसका उपचार क्या है ?

**उत्तर**

मधुमक्खी के काटने से बहुत पीड़ा होती है। जलन होती है, चकत्ते पड़ जाते हैं। डंक की नोंक शरीर में रह जाती है, जिससे विष फैलने से उस स्थान पर सूजन हो जाती है।

**उपचार-** कटी जगह को स्प्रिट या साबुन से धोना चाहिए। डंक को नुकीली चीज से निकालना चाहिए। घर हल्का अमोनिया या.नौसादर और चूना बराबर-बराबर मात्रा में लेकर लगाना चाहिए।
ठंडा और गर्म सेव देना लाभदायक होता है। रोगी को प्राथमिक उपचार के बाद डाक्टर के पास ले जाना चाहिए।

**(ख)** साँप के काटने पर आप क्या उपचार करेंगे ?

**उत्तर**

साँप काटे व्यक्ति को सोने न दिया जाए और उत्तेजित भी न होने दें। काटे गए स्थान से ऊपर समाल, टाई या जूते के फीते या अन्य उपयुक्त वस्तु से कसकर बाँध देना चाहिए जिससे शरीर में विष न फैल सके। साँप काटे व्यक्ति को फौरन डाक्टर के पास ले जाना चाहिए।

https://www.evidyarthi.in/